



NO HUNGRY CHILD

“कोई बच्चा भूखा न सोए”

30, Surveyor Street, DVG Road, Basavanagudi, Bangalore - 560004

080-41493493 | mail@nohungrychild.co.in | nohungrychild.in

No Hungry Child

बच्चों की पहचान, संपर्क और नामांकन के लिए दिशानिर्देश

नो हंग्री चाइल्ड - पौष्टिक भोजन एवं अनौपचारिक शिक्षा कार्यक्रम

उद्देश्य: यह दस्तावेज़ साझेदार गैर-सरकारी संगठनों (NGOs) को ऐसे बच्चों की पहचान और उनसे संपर्क करने की व्यावहारिक विधि बताता है, जो नियमित स्कूली शिक्षा, पारिवारिक सहायता या सुरक्षित रहने की परिस्थितियों से दूर हैं। उद्देश्य उन्हें सुरक्षित भोजन और सीखने के वातावरण में लाना तथा धीरे-धीरे शिक्षा और समाज की मुख्यधारा से दोबारा जोड़ना है।

1. हम किन बच्चों तक पहुँचना चाहते हैं

स्कूल जाने की उम्र के उन बच्चों और किशोरों को प्राथमिकता दें, जो निम्न में से एक या अधिक परिस्थितियों में हैं:

- बेघर हैं या जिनका रहने का स्थान स्थिर नहीं है।
- पर्याप्त वयस्क सुरक्षा के बिना सड़कों या अन्य सार्वजनिक स्थानों पर रहते हैं या बहुत समय बिताते हैं।
- असुरक्षित झुग्गियों या अनौपचारिक बस्तियों में रहते हैं, जहाँ भोजन, स्वच्छता, शिक्षा और सुरक्षित खेल के स्थानों की सुविधा सीमित है।
- स्कूल छोड़ चुके हैं या लगातार अनुपस्थित रहते हैं और नियमित शिक्षा में भाग नहीं ले रहे हैं।
- शिक्षा और बुनियादी सहायता सेवाओं से स्पष्ट रूप से दूर हैं तथा स्थानीय NGO उन्हें सुरक्षित और उचित सहायता दे सकता है।

महत्वपूर्ण: बच्चों को “भविष्य के अपराधी” न कहें। कठिन परिस्थितियाँ बच्चे का भविष्य तय नहीं करतीं। भोजन, सुरक्षित वयस्कों, शिक्षा, सकारात्मक दिनचर्या तथा उचित बाल संरक्षण और शिक्षा सेवाओं से जोड़कर यह कार्यक्रम शोषण, असुरक्षित काम, हिंसा, नशीले पदार्थों के सेवन, उपेक्षा और अन्य हानिकारक परिस्थितियों का जोखिम कम करना चाहता है।

2. भोजन कार्यक्रम का हिस्सा क्यों है

भोजन पहला सेतु है। पौष्टिक नाश्ता/दोपहर का भोजन या दोपहर का भोजन/शाम का नाश्ता बच्चे को केंद्र आने का व्यावहारिक कारण देता है। बच्चा सुरक्षित और स्वागत योग्य महसूस करे, तब NGO छोटे और रोचक शिक्षण सत्र शुरू कर सकता है।

- भोजन का उपयोग बच्चे को दंड देने या पाठ में भाग लेने के लिए मजबूर करने में कभी न करें।
- बच्चा आत्मविश्वासी हो, संकोची हो, अनियमित आता हो या शुरुआत में सीखने में रुचि न रखता हो - उसका सम्मानपूर्वक स्वागत करें।
- केंद्र की नियमित दिनचर्या रखें: आगमन → स्वच्छता → भोजन → रोचक वीडियो/गतिविधि → चर्चा/खेल → समापन और सुरक्षित प्रस्थान।
- उद्देश्य केवल भोजन देना नहीं, बल्कि भरोसा बनाना और शिक्षा तथा सुरक्षित जीवन की ओर लौटने का मार्ग तैयार करना है।



NO HUNGRY CHILD

“कोई बच्चा भूखा न सोए”

30, Surveyor Street, DVG Road, Basavanagudi, Bangalore - 560004

080-41493493 | mail@nohungrychild.co.in | nohungrychild.in

No Hungry Child

3. NGOs बच्चों को कहाँ खोजें

हर NGO प्रस्तावित भोजन केंद्र के आसपास व्यावहारिक दूरी के भीतर स्थानीय संपर्क का एक सरल नक्शा बनाए। निम्न स्थानों का व्यवस्थित रूप से सर्वेक्षण करें:

स्थान / स्रोत	कैसे संपर्क करें
झुग्गियाँ और अनौपचारिक बस्तियाँ	सामुदायिक नेताओं, स्थानीय स्वयंसेवकों, महिला समूहों, युवा समूहों और परिवारों से मिलें। स्कूल न जाने वाले या नियमित रूप से अनुपस्थित बच्चों की पहचान करें।
बस अड्डे, रेलवे क्षेत्र और परिवहन केंद्र	उचित बाल सुरक्षा व्यवस्थाओं के साथ ही संपर्क करें। सड़क पर रहने वाले बच्चों के मामलों में स्थानीय बाल संरक्षण अधिकारियों/NGOs से समन्वय करें।
बाज़ार और व्यावसायिक क्षेत्र	ऐसे बच्चों की पहचान करें जो स्कूल जाने के बजाय काम के समय बाज़ारों, भोजनालयों, माल ढुलाई क्षेत्रों या सार्वजनिक स्थानों पर समय बिताते हैं।
निर्माण स्थल और श्रमिक बस्तियाँ	स्थल प्रबंधकों, श्रमिक परिवारों और सामुदायिक कार्यकर्ताओं से समन्वय करें। बच्चों को काम पर न लगाएँ; शिक्षा और संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों की पहचान करें।
कचरा संग्रहण / डंपिंग क्षेत्र	प्रशिक्षित संपर्क कार्यकर्ताओं की सहायता लें और बाल संरक्षण सेवाओं से समन्वय करें। यहाँ बच्चों को शोषण और सुरक्षा के गंभीर जोखिम हो सकते हैं।
सरकारी स्कूल और स्थानीय शिक्षा नेटवर्क	गोपनीयता बनाए रखते हुए स्कूल कर्मचारियों, शिक्षकों और सामुदायिक कार्यकर्ताओं से स्कूल छोड़ चुके या लंबे समय से अनुपस्थित बच्चों के बारे में पूछें।
आंगनवाड़ी / सामुदायिक केंद्र / स्थानीय स्वास्थ्य सेवाएँ	ऐसे अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं से संबंध बनाएँ जो कमजोर परिवारों को जानते हैं और NGO को उचित सेवाओं से जोड़ सकते हैं।
आश्रय केंद्र, बाल देखभाल सेवाएँ और स्थानीय NGOs	मौजूदा सेवाओं की अनावश्यक पुनरावृत्ति के बजाय बच्चों को उचित सेवाओं तक पहुँचाने के लिए रेफरल संबंध विकसित करें।

4. बच्चों की पहचान के लिए स्थानीय नेटवर्क बनाएँ

बच्चों को जोड़ने से पहले कम से कम पाँच स्थानीय रेफरल माध्यमों की पहचान करें:

- एक या अधिक सरकारी स्कूल / स्थानीय शिक्षा अधिकारी।
- स्थानीय सामुदायिक नेता और निवासी स्वयंसेवक।
- आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा/सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता और उपलब्ध अन्य अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ता।
- बच्चों के लिए कार्यरत NGOs, आश्रय केंद्र और सामुदायिक संगठन।
- रेफरल और कानूनी सहायता वाले मामलों के लिए जिला बाल संरक्षण इकाई (DCPU), बाल कल्याण समिति (CWC) और अन्य उचित बाल संरक्षण अधिकारी।

अधिक जोखिम वाले स्थानों पर अकेले काम न करें। सड़क से जुड़े या बिना अभिभावक के बच्चों के लिए प्रशिक्षित संपर्क कर्मियों का उपयोग करें और संबंधित बाल संरक्षण व्यवस्था के साथ रेफरल प्रक्रिया स्थापित करें।



NO HUNGRY CHILD

“कोई बच्चा भूखा न सोए”

30, Surveyor Street, DVG Road, Basavanagudi, Bangalore - 560004

080-41493493 | mail@nohungrychild.co.in | nohungrychild.in

No Hungry Child

5. बच्चे से संपर्क कैसे करें

- शांत तरीके से पास जाएँ। सरल भाषा में अपना और संगठन का परिचय दें।
- शुरुआत गरीबी, पारिवारिक समस्याओं, दुर्व्यवहार या अपराध संबंधी प्रश्नों से न करें।
- सामान्य बात से शुरू करें: “हम पास में भोजन और सीखने का केंद्र चलाते हैं। क्या आप उसके बारे में जानना चाहेंगे?”
- केंद्र की गतिविधियाँ समझाएँ: भोजन, स्वच्छता, वीडियो, खेल, सीखना और सुरक्षित दिनचर्या।
- बच्चे को प्रश्न पूछने दें। तुरंत सहमत होने का दबाव न डालें।
- जहाँ माता-पिता/अभिभावक की भागीदारी उचित और सुरक्षित हो, परिवार को सम्मानपूर्वक शामिल करें।
- यदि बच्चा तत्काल खतरे में, परित्यक्त, तस्करी का शिकार, गंभीर दुर्व्यवहार से प्रभावित या तत्काल संरक्षण की आवश्यकता में दिखे, तो इसे सामान्य नामांकन न मानें। उचित बाल संरक्षण रेफरल प्रक्रिया अपनाएँ।

6. प्रारंभिक जाँच - NGO को क्या समझना चाहिए

संपर्क कार्यकर्ता केवल उतनी जानकारी प्राप्त करे, जितनी अगला सुरक्षित कदम तय करने के लिए आवश्यक है:

- बच्चे की अनुमानित उम्र और नाम / पसंदीदा नाम।
- वर्तमान रहने की स्थिति और क्या देखभाल के लिए कोई सुरक्षित वयस्क उपलब्ध है।
- स्कूल की स्थिति: नियमित, अनियमित, स्कूल छोड़ चुका या कभी नामांकन नहीं हुआ।
- स्कूल से बाहर होने का सामान्य कारण, यदि बच्चा/परिवार बताने में सहज हो।
- क्या बच्चा काम करता है या असुरक्षित काम के संपर्क में है।
- क्या तत्काल संरक्षण, स्वास्थ्य या सुरक्षा की चिंता है।
- पसंदीदा भाषा और पहुँच-सुविधा या सीखने संबंधी विशेष आवश्यकताएँ।
- जहाँ सुरक्षित और उचित हो, माता-पिता/अभिभावक या जिम्मेदार वयस्क के संपर्क विवरण।

अनावश्यक जानकारी न जुटाएँ। बच्चों के नाम, पते, फोन नंबर, तस्वीरें या निजी कहानियाँ सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित न करें।

7. नो हंग्री चाइल्ड केंद्र का अनुभव

केंद्र सामान्य कक्षा से अलग महसूस होना चाहिए। वह स्वागतपूर्ण, रंगीन, सुरक्षित और बहुत रोचक हो।

चरण	क्या करें
1. स्वागत	मित्रतापूर्ण अभिवादन। पूछताछ जैसा व्यवहार या कलंक न हो।
2. स्वच्छता दिनचर्या	भोजन से पहले हाथ धोना और व्यक्तिगत स्वच्छता की सरल आदतें।
3. पौष्टिक भोजन	स्वच्छ और सम्मानपूर्ण वातावरण में निर्धारित भोजन परोसें।
4. वीडियो से सीखना	उम्र के अनुसार कार्टून, कहानियाँ और छोटे शैक्षिक वीडियो दिखाएँ।
5. चर्चा	सरल प्रश्न पूछें: आपने क्या देखा? क्या अच्छा था? आप क्या करेंगे?
6. गतिविधि	खेल, चित्रकारी, भूमिका अभिनय, कहानी, समूह कार्य और सरल प्रदर्शन।
7. जीवन कौशल	स्वच्छता, अच्छा व्यवहार, दयालुता, बाँटना, देखभाल, जिम्मेदारी और सम्मान को मजबूत करें।
8. शिक्षा का मार्ग	शिक्षा की स्थिति का आकलन करें। परिवार/उचित सेवाओं के साथ स्कूल में दोबारा प्रवेश या किसी अन्य उपयुक्त शिक्षा मार्ग पर काम करें।



NO HUNGRY CHILD

“कोई बच्चा भूखा न सोए”

30, Surveyor Street, DVG Road, Basavanagudi, Bangalore - 560004

080-41493493 | mail@nohungrychild.co.in | nohungrychild.in

No Hungry Child

8. अनौपचारिक शिक्षा के विषय

- व्यक्तिगत स्वच्छता: हाथ धोना, नहाना, साफ कपड़े, मुँह और दाँतों की सफाई तथा सुरक्षित शौचालय उपयोग।
- भोजन और स्वास्थ्य: साफ-सुथरी खान-पान की आदतें, सुरक्षित पेयजल, पोषण और भोजन की बुनियादी स्वच्छता।
- अच्छा व्यवहार: सुनना, धैर्य, सम्मान से बात करना और सुरक्षित दिनचर्या अपनाना।
- बाँटना और देखभाल: दूसरों की मदद, सहानुभूति, टीम भावना और सबको शामिल करना।
- व्यक्तिगत सुरक्षा: असुरक्षित परिस्थितियों की पहचान, भरोसेमंद वयस्क, सुरक्षित सीमाएँ और सहायता माँगना।
- जिम्मेदारी: केंद्र साफ रखना, सामान की देखभाल और सरल काम पूरे करना।
- संवाद: भावनाएँ व्यक्त करना, मदद माँगना और मतभेद शांतिपूर्वक सुलझाना।
- शिक्षा की आदतें: जिज्ञासा, पढ़ना, संख्याएँ, एकाग्रता और सीखने में आनंद।
- नागरिकता: लोगों, सार्वजनिक स्थानों, सामुदायिक संपत्ति और पर्यावरण का सम्मान।

9. वीडियो और कार्टून का प्रभावी उपयोग

- वीडियो छोटे और उम्र के अनुसार हों। जहाँ संभव हो, स्थानीय भाषा की सामग्री लें।
- लगातार केवल वीडियो न चलाएँ। हर वीडियो के बाद प्रश्न, प्रदर्शन या गतिविधि हो।
- सकारात्मक आदर्श पात्रों और स्वच्छता, दयालुता, जिम्मेदारी, सुरक्षा एवं शिक्षा के स्पष्ट संदेश वाली कहानियाँ चुनें।
- डरावनी, हिंसक, अपमानजनक या उम्र के लिए अनुचित सामग्री से बचें।
- संदेश दोहराएँ। बच्चों को एक ही मुख्य बात अलग कहानियों और गतिविधियों में दिखाएँ।
- सरल अवलोकन दर्ज करें: क्या बच्चे ने भाग लिया? संदेश समझा? व्यवहार का अभ्यास किया?

10. बच्चों को मुख्यधारा की शिक्षा से दोबारा जोड़ना

नो हंग्री चाइल्ड केंद्र शिक्षा तक पहुँचने का सेतु बने, औपचारिक शिक्षा का स्थायी विकल्प नहीं। NGO उचित स्कूल नामांकन, पुनः नामांकन, उपस्थिति और पढ़ाई में सहायता की दिशा में धीरे-धीरे काम करे।

- बच्चे को शर्मादा किए बिना या सार्वजनिक परीक्षा लिए बिना उसके वर्तमान सीखने के स्तर की पहचान करें।
- बच्चे और परिवार से बाधाओं पर चर्चा करें: खर्च, दूरी, दस्तावेज़, परिवार के काम की जरूरत, पढ़ाई की कमी, दिव्यांगता, सुरक्षा या अन्य समस्याएँ।
- जहाँ संभव हो, दोबारा प्रवेश के लिए संबंधित स्कूल या शिक्षा अधिकारी से समन्वय करें।
- केंद्र की अनौपचारिक गतिविधियों से आत्मविश्वास और दिनचर्या दोबारा बनाएँ।
- उचित शिक्षा व्यवस्था में बच्चे की नियमित भागीदारी होने तक प्रगति पर नज़र रखें।

11. बाल सुरक्षा - अनिवार्य नियम

- शारीरिक दंड, धमकी, अपमान या भेदभाव न करें।
- कोई कर्मचारी किसी निजी या छिपे स्थान पर बच्चे के साथ अकेला न हो।
- हर समय उचित वयस्क निगरानी रखें।
- स्थानीय परिस्थिति और सुरक्षा आकलन के अनुसार आवश्यक होने पर लड़कों और लड़कियों के लिए अलग सुरक्षित व्यवस्थाएँ करें।
- आवश्यक सहमति/अनुमति और सुरक्षा नियंत्रण के बिना बच्चों की पहचान बताने वाली तस्वीरें न लें या प्रकाशित करें।
- बच्चों के निजी विवरण WhatsApp समूहों, सार्वजनिक दस्तावेज़ों या सोशल मीडिया पर साझा न करें।
- रोजगार, धन, उपहार या स्थायी आवास का वादा न करें।
- दुर्व्यवहार के आरोपों की स्वयं जाँच न करें। उचित बाल संरक्षण प्रक्रिया के माध्यम से आगे भेजें।
- घटना की रिपोर्ट करने की स्पष्ट प्रक्रिया रखें। संपर्क कार्य शुरू करने से पहले सभी कर्मचारियों और स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित करें।

चाइल्ड हेल्पलाइन **1098**: भारत सरकार की मिशन वात्सल्य चाइल्ड हेल्पलाइन राज्य/जिला बाल संरक्षण कर्मियों के माध्यम से संचालित होती है। इसका उद्देश्य संकट में बच्चों को आपातकालीन सहायता तथा दीर्घकालीन देखभाल और पुनर्वास सेवाओं से जोड़ना है।



NO HUNGRY CHILD

“कोई बच्चा भूखा न सोए”

30, Surveyor Street, DVG Road, Basavanagudi, Bangalore - 560004

080-41493493 | mail@nohungrychild.co.in | nohungrychild.in

No Hungry Child

12. प्रत्येक NGO के लिए सरल संपर्क कार्यप्रणाली

1. प्रस्तावित केंद्र की व्यावहारिक पहुँच के भीतर स्थानीय क्षेत्र का नक्शा बनाएँ।
2. असुरक्षित स्थानों और रेफरल संपर्कों की सूची बनाएँ।
3. प्रशिक्षित कर्मचारियों के साथ निर्धारित समय पर संपर्क अभियान चलाएँ।
4. कलंक या सार्वजनिक ठप्पा लगाए बिना संभावित लाभार्थियों की पहचान करें।
5. बच्चे/परिवार की प्रारंभिक जाँच का रिकॉर्ड पूरा करें।
6. तत्काल संरक्षण वाले मामलों को उचित बाल संरक्षण व्यवस्था के पास भेजें।
7. पात्र बच्चों को केंद्र बुलाएँ और दिनचर्या समझाएँ।
8. भोजन + स्वच्छता + वीडियो से सीखना + गतिविधि सत्र शुरू करें।
9. शिक्षा की स्थिति का आकलन करके प्रत्येक बच्चे के लिए व्यक्तिगत शिक्षा मार्ग बनाएँ।
10. हर महीने उपस्थिति, भागीदारी, सीखने और स्कूल से दोबारा जुड़ने की प्रगति की समीक्षा करें।

13. बच्चों की पहचान और अनुवर्ती कार्रवाई का प्रस्तावित रजिस्टर

NGO सीमित, अधिकृत पहुँच वाला गोपनीय रजिस्टर रखे। सुझाए गए विवरण:

विशिष्ट बाल पहचान संख्या	नाम / पसंदीदा नाम	अनुमानित उम्र	लिंग
क्षेत्र	रहने की स्थिति	स्कूल की स्थिति	माता-पिता/अभिभावक का संपर्क (जहाँ उचित हो)
पहली बार संपर्क की तारीख	पहली बार केंद्र आने की तारीख	भोजन में उपस्थिति	सीखने में भागीदारी
शिक्षा मार्ग / रेफरल	संरक्षण रेफरल, यदि कोई हो	अनुवर्ती कार्रवाई की तारीख	टिप्पणियाँ

14. सफलता कैसे दिखेगी

- बच्चे नियमित रूप से केंद्र आते हैं और पौष्टिक भोजन प्राप्त करते हैं।
- बच्चों की स्वच्छता और सकारात्मक दैनिक आदतों में सुधार दिखता है।
- बच्चे रचनात्मक शिक्षण और समूह गतिविधियों में भाग लेते हैं।
- बच्चों में आत्मविश्वास, सहानुभूति, सहयोग और सम्मानपूर्ण व्यवहार विकसित होता है।
- शोषण या नुकसान के जोखिम वाले बच्चे उचित संरक्षण सेवाओं से जुड़ते हैं।
- स्कूल से बाहर बच्चे उपयुक्त औपचारिक या मान्यता प्राप्त शिक्षा व्यवस्था की ओर बढ़ते हैं।
- NGO गोपनीय रिकॉर्ड से उपस्थिति, शिक्षण गतिविधियाँ, रेफरल और शिक्षा के परिणाम दिखा सकता है।

15. साझेदार NGOs के लिए संदेश

इस कार्यक्रम को केवल 100 बच्चों को ढूँढ़कर भोजन देने का काम न समझें। असली काम है पीछे छूट रहे बच्चों को खोजना, उनका भरोसा जीतना, उन्हें बार-बार आने के लिए सुरक्षित स्थान देना, अच्छा भोजन देना, सीखने को आनंददायक बनाना, व्यावहारिक जीवन कौशल सिखाना और शिक्षा तथा व्यापक समाज से दोबारा जोड़ना। भोजन दरवाज़ा खोलता है। संबंध, सीखना और लगातार साथ निभाना बदलाव लाते हैं।

नो हंग्री चाइल्ड की ओर से
अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता